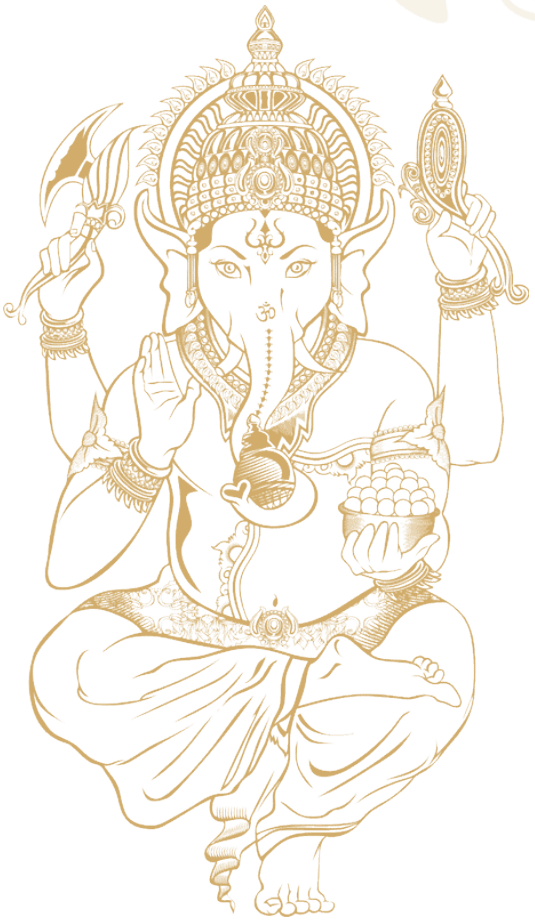

# Navjot Inder

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120007002

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 03/06/1997 | जन्म तिथि | 31/10/1994 |
| मंगलवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 15:55:00 | जन्म समय | 17:30:00 घंटे |
| घटी 26:18:33 | जन्म समय(घटी) | 27:03:12 घटी |
| India | देश | India |
| Ludhiana | स्थान | Ludhiana |
| 30:56:00 उत्तर | अक्षांश | 30:56:00 उत्तर |
| 75:52:00 पूर्व | रेखांश | 75:52:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:32 | स्थानिक संस्कार | -00:26:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:23:34 | सूर्योदय | 06:40:43 |
| 19:25:59 | सूर्यास्त | 17:39:25 |
| 23:49:13 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:47:16 |

| विंशोत्तरी<br>शुक्र 1वर्ष 6मा 6दि | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी<br>सूर्य 3वर्ष 9मा 19दि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| राहु | 05:26:41 | तुला | लग्न | मेष | 12:14:47 | राहु |
| 09/12/2021 | 19:03:34 | वृष | सूर्य | तुला | 14:02:46 | 21/08/2015 |
| 10/12/2039 | 25:39:17 | मेष | चंद्र | कन्या | 01:32:52 | 20/08/2033 |
| राहु 22/08/2024 | 29:56:10 | सिंह | मंगल | कर्क | 20:22:45 | राहु 03/05/2018 |
| गुरु 15/01/2027 | 27:09:41 | मेष | बुध | कन्या | 27:11:25 | गुरु 25/09/2020 |
| शनि 21/11/2029 | 28:03:03 | मक | गुरु | तुला | 27:37:57 | शनि 02/08/2023 |
| बुध 09/06/2032 | 05:16:05 | मिथु | शुक्र व | तुला | 18:00:10 | बुध 19/02/2026 |
| केतु 28/06/2033 | 23:43:26 | मीन | शनि व | कुंभ | 11:57:36 | केतु 09/03/2027 |
| शुक्र 28/06/2036 | 01:49:49 | कन्या व | राहु व | तुला | 21:02:04 | शुक्र 09/03/2030 |
| सूर्य 22/05/2037 | 01:49:49 | मीन व | केतु व | मेष | 21:02:04 | सूर्य 01/02/2031 |
| चन्द्र 21/11/2038 | 14:40:19 | मक व | हर्ष | धनु | 28:58:03 | चन्द्र 02/08/2032 |
| मंगल 10/12/2039 | 05:51:51 | मक व | नेप | धनु | 27:00:59 | मंगल 20/08/2033 |
| | 10:09:51 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 03:23:39 | |

### लग्न-चलित

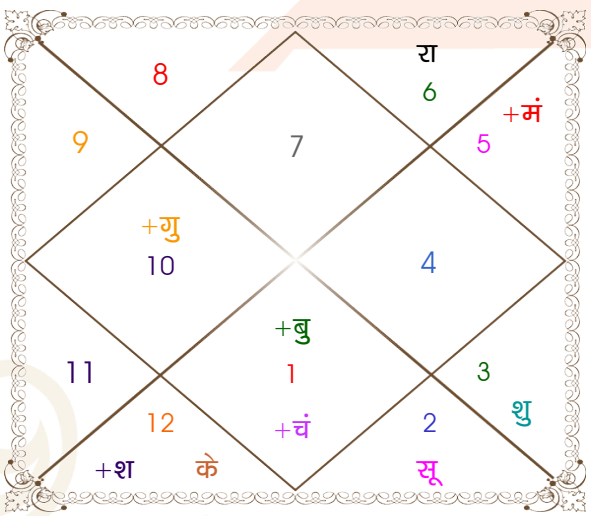


### लग्न-चलित

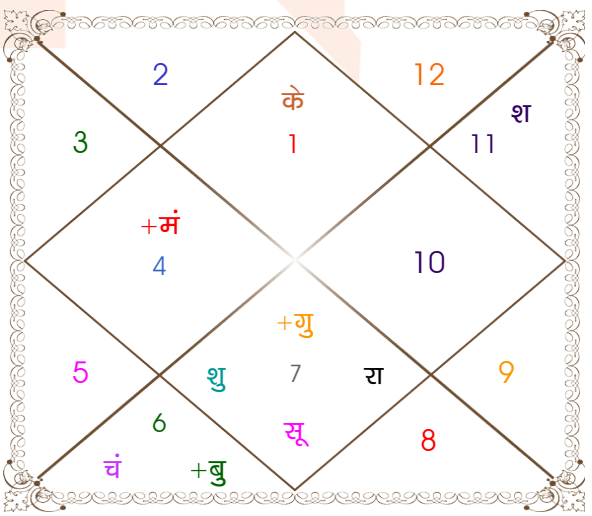



**HARE KRISHNA ASTRO**
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | गौ | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | बुध | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | कन्या | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.50 | | |

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

छंअरवज का वर्ग मृग है तथा प्दकमत का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छंअरवज और प्दकमत का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

छंअरवज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

प्दकमत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।**
**कुजदोषो न विद्यते।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल प्दकमत कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल प्दकमत कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छंअरवज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छंअरवज तथा प्दकमत में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।